aglasem.com

FOR PUNJAB CLASS 10 PREPARATION

PSEB 10th Sample Paper 2027 Sanskrit

EXAM	YEAR	TYPE	SUBJECT
Punjab Class 10	2027	Sample Paper	Sanskrit

वार्षिक परीक्षा प्रणाली
मॉडल टेस्ट पेपर (2026-27)
विषय : संस्कृत
कक्षा : दसवीं

समय : 3 घण्टे **अंक = 80**

आन्तरिक मूल्यांकन = 20

कुल अंक = 100

- **प्रश्नपत्र में कुल 12 प्रश्न होंगे।**
- **प्रश्न पत्र में दो भाग (क तथा ख) होंगे ।**
- **अति लघूत्तर प्रश्न (वस्तुनिष्ठ प्रश्न) प्रश्न-पत्र के भाग क में कुल एक-एक अंक के 20 प्रश्न होंगे।**
- **सभी प्रश्न हल करने अनिवार्य होंगे ।**

भाग क

I **अति लघूत्तर प्रश्न (वस्तुनिष्ठ प्रश्न)**

(I) निम्नलिखित का सही सन्धि-विच्छेद चुने:

(i) 'अर्जुन उवाच' शब्द में कौन सा सन्धि विच्छेद सही है ?

1. अर्जुन: +उवाच 2 अर्जुन+ उवाच 3 अर्जुनो+ उवाच 4 इनमें कोई नहीं ।

(ii) 'सरलस्थकार' शब्द में कौन सा सन्धि विच्छेद सही है ?

1.सरल:+ थकार 2 सरलो+थकार 3 सरलस्+थकार 4 इनमें कोई नहीं ।

(iii) 'एकश्शिशु:' शब्द में कौन सा सन्धि विच्छेद सही है ? 4x1=4

1 एक + शिशु: 2 एक: +शिशु: 3 एकश् +शिशु: 4 इनमें कोई नहीं ।

(IV) 'बालस्तथा' शब्द में कौन सा सन्धि विच्छेद सही है ?

1 बालस् + तथा 2 बाल: +तथा 3 बालो+तथा 4 इनमें कोई नहीं है।

(II) निम्नलिखित के धातु और उपसर्ग अलग अलग करें :

निर्गच्छति , आहरति , विकसति, प्रसरति। 4x1=4

(III) निम्नलिखित धातुओं का यथानिर्दिष्ट सही प्रत्यय चुने :

(i) 'स्मृत' धातु रूप में कौन सा कृदन्त प्रत्यय लगा हुआ है? चुने:

1- तव्यत् 2 - अनीयर् 3 - तुमुन् 4 - क्त

(ii) 'दानीय' धातुरूप में कौन सा कृदन्त प्रत्यय लगा हुआ है ? चुने:

1 - क्त्वा 2 -अनीयर् 3 - तुमुन् 4 - तव्यत्

(iii) 'क्षालयितव्य' रुप में कौन सा कृदन्त प्रत्यय लगा हुआ है? चुने:

1 - तव्यत् 2 - अनीयर् 3 - तुमुन् 4 - क्त 4x1=4

(IV) 'पीत्वा' धातुरूप में कौन सा कृदन्त प्रत्यय लगा हुआ है ? चुने:

1 - क्त 2 -कत्वा 3 - तुमुन् 4 - तव्यत्

(IV)निम्नलिखित विभक्तियों मेंउचित वचन लगाकर विभक्ति को पूर्ण करे:-

	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
(i)	वारिणे	वारिभ्याम्	.....
(ii)	मते:	.....	मतीनाम्
(iii)	.....	गुर्वो:	गुरुषु
(iv)	.....	मधुनी	मधूनि

4x1=4

(V) निम्नलिखित धातुओं में उचित वचन लगाकर पुरुष को पूर्ण करे:-

	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
(i)	दीव्यामि	.....	दीव्याम:
(ii)	चोरय:	चोरयतम्	.....
(iii)	.....	नश्येव	नश्येम
(iv)	कथयसि	कथयथ	.....

4x1=4

भाग – ख

II **निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी दो गद्यांश का हिन्दी या पंजाबी या अंग्रेज़ी में अनुवाद करें :**

(क) पृथिवी इव अन्ये विशाला: पिण्डा: आकाशे सूर्यं परित: परिभ्रमन्ति । तान् 'ग्रहा:' इति कथयन्ति। ते च क्रमेण बुध:, शुक्र:, पृथिवी, मंगल, बृहस्पति:, शनि:, अरुण:, वरुण:, कुबेर: इति नव सन्ति। तत्र अपरे अपि अल्पा: पिण्डा: सन्ति, ये एतान् ग्रहान् परित: परिभ्रमन्ति। अत: तान् 'उपग्रहान्' वदन्ति। यथा अस्माकं पृथिव्या: एक: एव उपग्रह: तथा मंगलस्य द्वौ उपग्रहौ बृहस्पते: नव, शने: अपि नव, अरुणस्य चत्वार:, वरुणस्य च एक: उपग्रह:। परिवारस्य सदस्या: इव एते नव ग्रहा: षड्विंशति: च उपग्रहा: सूर्यं परित: अण्डाकारे वृत्ते परिभ्रमन्ति , अत: एतं सूर्य-परिवारं सौर-मण्डलम् अपि कथयन्ति।

(ख) एशिया-महाद्वीपस्य दक्षिण-भागे स्थित: विस्तृत: भू-भाग: भारतम् अस्माकं देश:। अस्मिन् देशे बहव: रम्या: प्रदेशा:, हिमालयादय: तुंगा: पर्वता: गंगाद्या:च सुजला: नद्य: सन्ति। अत्र खलु राम:, कृष्ण:, महावीर:, बुद्ध:, शंकराचार्य:, चैतन्य:, कबीर:, नानक:, दयानन्द:, विवेकानन्द:, अन्ये च बहव: महापुरुषा: अभवन् । ते स्वकीयै: चरितै: अस्य देशस्य संस्कृते: निर्माणम् अकुर्वन् । केचित् महापुरुषा: सागराणाम् अपि पारं गत्वा इमां संस्कृतिं प्रासारयन्।

(ग) गतवर्षे वयं ग्रीष्मावकाशे कश्मीर यात्रां कर्तुं चण्डीगढ़ात् सायं रेल-यानेन प्रस्थिता: । अन्येद्यु: प्रात: वयं जम्मू नगरं प्राप्तवन्त: । तत: मोटर-यानेन श्रीनगराय प्रस्थाय, मार्गे अतिदीर्घां जवाहर-सुरंगाम् अतिक्रम्य, वयं कश्मीरस्य मनोहराम् उपत्यकां प्रविष्टा:। मार्गम् उभयत: रम्याणि दृश्यानि अवलोकयन्त: वयं द्वादशभि: होराभि: श्रीनगरं प्राप्नुवाम् । श्री नगरं वितस्ता-नदीम् उभयत: स्थितम् अस्ति ।

2x4=8

III **निम्नलिखित पद्यांशों में से किन्हीं दो का प्रसंग सहित अर्थ हिन्दी या पंजाबी या अंग्रेज़ी में लिखें :**

(क) विकसति कमलं, विलसति सलिलं,
पवनो वहति सलीलम् ।
दिशि-दिशि धावति कूजति नृत्यति
खग-कुलमतिशय-लोलम् ॥

(ख) वासांसि जीर्णानि यथा विहाय
नवानि गृह्णाति नरोऽपराणि ।
तथा शरीराणि विहाय जीर्णा
न्यन्यनि संयाति नवानि देही ॥

	(ग) सत्यं ब्रूयात् , प्रियं ब्रूयात् , न ब्रूयात् सत्यमप्रियम् । प्रियं च नानृतं ब्रूयाद् , एष: धर्म: सनातन: ॥	2x4=8
IV	**निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर अपनी पाठ्य पुस्तक के आधार पर हिन्दी में करें-** (i) हम दिशाओं का निर्धारण कैसे करते हैं ? (ii) संस्कृत के किन्हीं चार कवियों अथवा नाटककारों के नाम लिखो ? (iii) सरोजिनी ने समाज सुधार के क्या-क्या काम किए ? (iv) पंजाब की आर्थिक अवस्था जर्जर कैसे हुई ? (V) पुस्तक अपने साथ कैसा व्यवहार चाहती है ?	3x2=6
V	**निम्नलिखित संस्कृत प्रश्नों में से किन्हीं तीन उत्तर संस्कृत में करें-** (I) भारतं कीदृशं राष्ट्रम् अस्ति ? (II) पृथ्वी कं परित: परिभ्रमति ? (III) भावुकताया: क्षणेषु रामतीर्थ: किम् अकरोत् ? (IV) खगकुलं कुत्र नृत्यति ? (V) महाराजा रणजीतसिंह: कै: महाराजा पदेन विभूषित: ?	3x2=6
VI	**किन्हीं चार वाक्यों में उचित विभक्ति लगाकर शुद्ध करें :** (i) रामस्य/रामेण सह सीता वनं अगच्छत् । (ii) मित्रस्य/मित्रात् अन्य: क: समर्थ: । (iii) सोमवारस्य/सोमवारात् अनन्तरं आगमिष्यामि । (iv) अलं विषादेन/विषादात् । (v) स: व्याकरणेन/व्याकरणे कुशल: । । (vi) वासुदेवं /वासुदेवाय नम: । अथवा **किन्हीं चार वाक्यों में उचित शब्द चुनकर रिक्त - स्थानों की पूर्ति करें:** (क) मिहिर: .....। (प्रचरति , उदयति) (ख) नैनं ..... पावक:। (वहति, दहति) (ग) प्रात: सूर्य: ..... दिग्विभागे उदेति । (पूर्वे , पश्चिमे) (घ) .....गतयो भवन्ति वित्तस्य । (तिस्र:, षड्) (ङ) विद्या ददाति . . ...। (विनयम् , शौर्यम्) (च) वस्तुत: यानम् एव धावति न ..... । (वृक्षा:, राजमार्गा:)	4x1=4
VII	**निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं पाँच का हिन्दी में अर्थ करें :** कोट-पालिका, घटिता, निधि:, पुरातन, देहिन:, खल: परोक्षे, ।	5x1=5
VIII	**निम्नलिखित अव्ययों में से पाँच का संस्कृत वाक्यों में प्रयोग करें :** तथा, कुत्र, पुरा, अतीव, कुत:, कदापि ।	5x1=5
IX	**निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखें-** अद्य रम्य: दिवस:। गगने मेघा: विचरन्ति। मेघै: आच्छन्न: सूर्य: न तपति। सुरम्य: पवन: मन्दं-मन्दं वहति। छात्रा: विद्यालयस्य प्रांगणे सम्मिलन्ति। अद्य तेषां बाल-सभा भवति। मंचे मुख्याध्यापका: अध्यापका: च उपविशन्ति।	

	प्रश्न: (i) छात्रा: कुत्र सम्मिलन्ति ? (ii) सुरम्य: पवन: कथं वहति?	2x2=4
X	**निम्नलिखित अपठित गद्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखें।** अस्ति कस्मिंश्चिद् वनप्रदेशे बहु- बक सनाथो वट- पादप: ।तस्य कोटरे एक: कृष्ण- सर्प: प्रतिवसति स्म । स च बक बालान् अजातपक्षान् सदैव भक्षयन् कालं नयति । अथैको बकस्तेन भक्षितानि निजापत्यानि दृष्ट्वा वैराग्यात् आगत्य वाष्पपूरितनयन: तिष्ठति । तमवलोक्य कुलीरक: प्रोवाच क्ष मामक: किमेवं रुद्यते भवताऽद्य । प्रश्न: (i) तस्य कोटरे क: प्रतिवसति स्म ? (ii) स बक सदैव किं भक्षयन् कालं नयति ?	2x2=4
XI	**निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 80 शब्दों में संस्कृत में निबन्ध लिखें :** (i) मम अध्यापक: । (ii) मम प्रियं मित्रम् । (iii) अस्माकं विद्यालय: ।	5
XII	**निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं पाँच वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद करें :** (i) वहां जाकर तूने क्या देखा है ? (ii) कमल जल में पैदा होता है । (iii) बछड़ा गाय के पीछे जाता है । (iv) मैं दान देना चाहता हूँ । (v) मुझे क्या पढ़ना चाहिए ? (vi) मुझे पाँच रुपये दो । (vii) मैं कहानी लिखने के लिए समर्थ नहीं हूँ । (viii) कमरे से बाहर निकल जाओ ।	5x1=5